M.A.(Part-II)(Hindi)(with Credits)-Regular-Semester 2012 Sem. III

MAHIN233-1 - Prachin Evam Madhyakalin Kavya Paper – I

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

P. Pages : 3 **GUG/W/16/2894**

Time : Three Hours Max. Marks : 80

सूचना :- **कुल पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित अवतरणों में से **किन्ही तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **30**

क) क्रुध्द फुरत अति जुध्द जुरत नहि रुध्द मुरत भट ।
खग बजत अरि बग्ग तजत तनु सग्ग सजत ठट ।
फक्कि फिरत मद धुक्कि भिरत कटि कुक्कि गिरत कनि ।
रंग रंग रकत हर संग छकत चतुरंग कथन भनि ।
इमि ठानि घोर घमसान घन, भूषण तेज कियौ अटल ।
सिवराज साहिसुअ खग्ग - बल दलि अडोल बहलोलदल

ख) कौन भाँति रहिहै बिरदु, अब देखिबी, मुरारि ।
बीधे मोसों आइ कै, गीधे गीधहिं तारि ।।
कब कौ टेरतु दीन रट, होत न स्याम सहाइ ।
तुमहू लागी जगत - गुरु, जग - नाइक, जग बाइ ।।
प्रगट भये द्विजराज - कुल, सुबह बसे ब्रज आइ ।
मेरो हरो कलेस सब, केसब राइ ।।

ग) भक्ति का मारग झीना रे
नहिं अचाह नहिं चाहना, चरनन लौ लीना रे ।
साधक के रस - धार में, रहे निस -दिन भीला रे ।
राग में स्रुत ऐसे बसे, जैसे जल मीना रे ।
साँई सेवन में देत सिर, कुछ बिलम न किनारे ।
कहैं कबीर मत भक्ति का, परगट कर दीना रे ।।

घ) ऊधो । जोग बिसरि जनि जाहु ।
बाँधहु गाँठि कहूँ जनि छुटैं फिरि पाछे पछिताहु ।।
ऐसी वस्तु अनुपम मधुकर मरम न जानै और ।
ब्रजबासिन के नाहिं काम की, तुम्हरे ही है ठौर ।।
जो हरि हित करि पढ़यो सो हम तुमको दीन्ही ।
सूरदास नरियर ज्यों विष को करै वंदना कीन्ही ।।

च) उधो । यह मन और न होय ।
पहिले ही चढ़ि रह्यो स्याम रंग छुटत न देख्यो धोय ।
कैतव बचन छाड़ि हरि हमको सोइ करै जो भूल ।
जोग हमैं ऐसो लागत है ज्यों तोहि चंपक फूल
अब क्यों मिटत हाथ की रेखा? कहौं कौन बिधि कीजै
सूर, स्याममुख आनि दिखाओं जाहि निरखि करि जीजै ।

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से **किसी एक** का उत्तर लिखिए। **10**

1) 'बिहारी' का काव्य 'गागर में सागर' है। इस उक्ति को स्पष्ट करते हुए विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

2) भ्रमरगीत सार की रचनाओं में सूरदास की वाक्पटुता सफल सिध्द हुई है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

3) 'भूषण' के कवित्त मनहरण काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

3. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से **किन्ही पाँच** के उत्तर दस से बारह पंक्तियों में लिखिए। **20**

1) रसखान के काव्य की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

2) केशव की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

3) 'शिवसिंह सरोज' के अनुसार 'भूषण' के चार ग्रंथो का नामोल्लेख कीजिए।

4) गुरुगोविन्दसिंह के काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए।

5) ''बतरस - लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सौंह करै भौंहनु हँसे, देन कहै नटि जाइ।
'' बिहारी की इस पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

6) घनानंद द्वारा प्रयुक्त 'सुजान' के विविध अर्थो को स्पष्ट कीजिए।

7) शेक्सपियर का जीवन परिचय संक्षिप्त में लिखिए।

8) सूरदास के 'भ्रमरगीत' में चित्रित विरहानुभूति की विशेषताएँ लिखिए।

9) कबीर ने आडम्बर का विरोध किस प्रकार किया? स्पष्ट कीजिए।

10) नामदेव का जीवन परिचय लिखिए।

4. निम्नलिखित अति लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर तीन से पाँच पंक्तियों में लिखिए। **10**

1) केशव के काव्य में श्रृंगार भावना को स्पष्ट कीजिए।

2) कबीर की भाषा को 'सघुक्कड़ी' क्यों कहा गया?

3) रसखान के अलंकार योजना के बारे में लिखिए।

4) शेक्सपियर के प्रसिध्द ग्रंथों का नामोल्लेख कीजिए।

5) नामदेव की रचनाओं में निर्गुण भक्ति का निरुपण कीजिए।

munotes.in

5. निम्नलिखित निर्देशों या विकल्पों के आधार पर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है। **10**

1) संत नामदेव किसके भक्त थे -
   अ) राम ब) विठ्ठल
   स) शिव द) गोपाल

2) कबीर के गुरु का नाम था -
   अ) रामानुजाचार्य ब) रामानंद
   स) नरहर्मानंद द) शंकराचार्य

3) 'रसखान' किसके भक्त थे -
   अ) रहीम ब) राम
   स) कृष्ण द) शंकर

4) सूरदास का जन्म किस गाँव में हुआ?
   अ) काशी ब) 'सीही'
   स) भगहर द) ओरछा

5) गुरु गोविन्द सिंह किस पंथ के कवि माने जाते है?
   अ) खालसा पंथ ब) दादु पंथ
   स) रैदास पंथ द) कबीर पंथ

6) भूषण के ग्रंथ का नाम हैं -
   अ) राग विहाग ब) शिवा बावनी
   स) रास पंचाध्यायी द) प्रेमवाटिका

7) केशवदास का जन्म कब हुआ?
   अ) सन् 1553 ब) सन् 1555
   स) सन् 1554 द) सन् 1556

8) भक्ति काल की प्रमुख विशेषता हैं -
   अ) कटु अभिव्यक्ति ब) सहज अभिव्यक्ति
   स) क्लिष्ट अभिव्यक्ति द) चमत्कारपूर्ण अभिव्यक्ति

9) 'पुष्टिमार्ग' की भक्ति किस श्रेणी में आती है?
   अ) निर्गुण ब) सूफी
   स) हठयोग द) रागानुराग

10) घनानन्द का जन्म कब हुआ था?
   अ) सवत् 1740 ब) सवत् 1746
   स) सवत् 1747 द) सवत् 1748

****

munotes.in

munotes.in